हैदराबाद के वियोना फिनटेक के संस्थापक रविंद्रनाथ यारलगड्डा

डिजिटल इकानामी के खिलाड़ी

भारत के तेजी से बदलते फिनटेक परिदृश्य में रविंद्रनाथ यारलगड्डा का नाम एक ऐसे नेतृत्व के रूप में उभर रहा है, जो तकनीक को सिर्फ व्यापार नहीं बल्कि सामाजिक प्रगति का माध्यम मानता है। हैदराबाद स्थित वियोना फिनटेक के संस्थापक के रूप में उन्होंने डिजिटल वित्तीय ढांचे को इस तरह विकसित किया है जो नियमों के अनुरूप होने के साथ साथ व्यापक स्तर पर लोगों तक पहुंच बनाता है।

▪ **दिनेश आकुला**

रविंद्रनाथ यारलगड्डा के नेतृत्व में वियोना फिनटेक ने बैंकों और सार्वजनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के साथ मिलकर भुगतान प्रणाली कलेक्शन और पेआउट जैसे क्षेत्रों में मजबूत समाधान पेश किए हैं। इसके साथ ही कंपनी का जोर कृषि आधारित फिनटेक पर रहा है जहां किसानों, किसान उत्पादक संगठनों और छोटे उद्यमियों को औपचारिक वित्तीय प्रणाली से जोड़ा जा रहा है। वियोना फिनटेक के जरिए बड़ी संख्या में किसानों को डिजिटल टूल्स क्रेडिट कनेक्टिविटी और बाजार से सीधा जुड़ाव मिला है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में पारंपरिक और असंगठित वित्तीय तरीकों पर निर्भरता घटने लगी है और डिजिटल लेनदेन को लेकर भरोसा बढ़ा है। विशेषज्ञ मानते हैं कि यह बदलाव दीर्घकालीन और टिकाऊ विकास की दिशा में अहम कदम है। रविंद्रनाथ यारलगड्डा की कार्यशैली उन्हें अन्य कॉरपोरेट लीडर्स से अलग करती है। वे नीति और रणनीति के साथ साथ जमीनी स्तर की चुनौतियों को समझने पर जोर देते हैं। किसानों से संवाद, युवा पेशेवरों से बातचीत और स्टार्टअप समुदाय से जुड़े रहना उनकी सोच का हिस्सा है, जिससे समाधान व्यावहारिक और प्रभावी बनते हैं।

उनकी यात्रा यह बताती है कि आज का नेतृत्व केवल मुनाफे तक सीमित नहीं है बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी और आर्थिक सशक्तिकरण को साथ लेकर चलने का नाम है। निजी क्षेत्र की क्षमताओं को सार्वजनिक हित के साथ जोड़कर रविंद्रनाथ यारलगड्डा ने यह साबित किया है कि बड़े पैमाने पर बदलाव संभव है। जैसे-जैसे वियोना फिनटेक अपने कामकाज का दायरा बढ़ा रही है वैसे

वैसे रविंद्रनाथ यारलगड्डा की पहचान एक ऐसे लीडर के रूप में मजबूत हो रही है जो स्थानीय जरूरतों को समझते हुए आधुनिक तकनीक का उपयोग करता है। फिनटेक और विकास के इस संगम में उनका योगदान आने वाले समय में भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को नई मजबूती देने वाला माना जा रहा है।

विधानसभा सचिव दिनेश शर्मा का कार्यकाल बढ़ा

विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने सचिव दिनेश शर्मा का कार्यकाल एक साल बढ़ा दिया है। छत्तीसगढ़ विधानसभा के सचिव दिनेश शर्मा का कार्यकाल 30 नवंबर 2025 को समाप्त हो रहा था। एक साल कार्यकाल बढ़ने पर अब वे 30 नवंबर 2026 तक इस पद पर बने रहेंगे। दिनेश शर्मा मूलतः छत्तीसगढ़ के रहने वाले हैं, उन्हें डॉ चरणदास महंत ने विधानसभा अध्यक्ष रहते विधानसभा सचिव बनाया था। दिनेश शर्मा ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह के

साथ भी करीब-करीब दो साल का कार्यकाल पूरा कर लिया है। दिनेश शर्मा के पहले चंद्रशेखर गंगराड़े और देवेंद्र वर्मा को विधानसभा सचिव के तौर पर सेवावृद्धि मिली थी। कहा जा रहा है कि दिनेश शर्मा ने अब तक अपने कार्यकाल में विधानसभा के सचिवालय का कामकाज सुचारु रूप से निपटाया है।